कैलाश ऊपर डमरू बजावे भोले नाथ

कैलाश ऊपर डमरू बजावे भोले नाथ
बजावे भोले नाथ , बजावे भोले नाथ
ऊँचे पर्वत डमरू बजावे भोले नाथ
कैलाश ऊपर डमरू बजावे भोले नाथ

1) जब भोले का डमरू बाजे , शिव गण नाचे सारे
धरती और अंबर गूँजे , सब बोल रहे जयकारे
सुनलो नई-नई ताल , सुनावे भोले नाथ

कैलाश ऊपर डमरू बजावे भोले नाथ.....2

2) जल्दी प्रसन्न होने वाले , हैं भोले भंडारी
बजा बजा के डमरु काटे , इस जग की बीमारी
विष पी के संसार को , हर्षावे भोले नाथ

कैलाश ऊपर डमरू बजावे भोले नाथ.....2

3) शिव की माया ऐसी जिसको , कोई जान ना पाया
उसको भी अपना लेते ये , जो जग ने ठुकराया
भूलन से बालक को भी , अपना वे भोले नाथ

कैलाश ऊपर डमरू बजावे भोले नाथ.....2

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33660/title/Kailash-Upar-Damru-bajave-bhole-Nath

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |